Welfare Schemes for Fishermen

1287. SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the details of the Welfare Schemes for Fishermen of the country being assisted/financed by Government;
and

"(b) the details of / the Welfare Schemes made available to Orissa Fishermen and extent of assistance rendered during the last two years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY 'SOURCES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) (a) and (b) Details of welfare schemes for fishermen of the country and available to Orissa as well, together with the assistance provided to Orissa during the last two years are detailed below:

Group Accident Insurance

Under component "Group Accident Insurance" free insurance cover is provided to active fishermen. Such fishermen are insured for Rs. 21,000 against death/permanent disability and for Rs. 10,500 against partial disability. Central assistance of Rs. 3.60 lakhs and Rs. 4.34 lakhs has been provided to Orissa under this scheme during 1991-92 and 1992-93, respectively:

Development of Model Villages for "Fishermen

Under component "Development of Model Villages for Fishermen" construction of fishermen villages with housing, protected water supply and community halls is taken up. Central assistance of Rs. 1.00 lakh and Rs.15.00 lakhs has been provided;to. Orissa under this scheme during the year 1991-92 and 1992-93, respectively.

Savings-cum-Relief

Under component "Sayings-cum-Relief", contribution of Rs. 45 per. month collected from marine fishermen during 8 fishing months is trippled by way of equal contribution by Central and State Governments and is distributed to beneficiaries in equal instalments during 4 lean months. Central assistance of Rs. 1.00 lakh and Rs. 3.60 lakhs has been provided to Orissa under this scheme during 1991-92 and 1992-93, respectively.

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कपास की खेती के लिए प्रयुक्त क्षेत्र

1288. **श्री अजीत जोगी :**
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कुल कितने क्षेत्र में कपास की खेती की गई;

(ख) क्या इन राज्यों में कपास की खेती वाले क्षेत्र में लगातार कमी आ रही है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए क्या-क्या उपचारात्मक उपाय किए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) विगत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश में कपास की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के अनुमान इस प्रकार हैं :

('000 हैक्टेयर)

वर्ष	महाराष्ट्र	मध्य प्रदेश
1990-91	2730	608
1991-92	2724	596
1992-93 (संभावित)	2480	480

(ख) हाल ही के दशक अर्थात् 1980-81 से 1990-91 के दौरान, महाराष्ट्र और मध्य देश में कपास की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में गिरावट का रुख देखा गया है ।

(ग) किसी विशिष्ट फसल की खेती के लिए भू-संसाधनों की नियतन तुलनात्मक पैदावार, प्रतिस्पर्द्धात्मक फसलों का सापेक्ष मूल्य, किसानों की अपनी ही इच्छा तथा पारिवारिक आवश्यकताओं, मांग में वृद्धि, कृषि जलवायुवीय आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है । चूंकि कपास की मांग को अन्य पैदावार के जरिए बढ़ी हुई आपूर्ति के द्वारा पूरा किया जा रहा है, अतः किसान भू-संसाधन के नियतन को कपास की खेती के लिए ही सीमित रख रहे हैं ।

(घ) सरकार का प्रमुख लक्ष्य कपास की उत्पादकता में वृद्धि करके इसके उत्पादन में बढ़ोतरी करना है । इसके लिये महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित 11 प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में गहन कपास विकास कार्यक्रम (आई० सी०डी०पी०) चलाया एवं केन्द्र प्रायोजित योजनाएं चलायी जा रही हैं ।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में गेहूं, चावल, दालों और तिलहनों का उत्पादन

1289. **श्री अजीत जोगी :**
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में गेहूं, चावल, दालों और तिलहनों का कितनी-कितनी मात्रा में उत्पादन किया गया; और

(ख) इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) 1991-92 और 1992-93 में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में गेहूं, चावल, दालों और तिलहनों का उत्पादन इस प्रकार रहा :—

(उत्पादन '000 मी० टन में)

वर्ष	फसल	मध्य प्रदेश	उत्तर प्रदेश
1991-92	गेहूं	4673	20156
	चावल	5128	9104
	दलहन	2807	2515
	कुल मोटे तिलहन	2735	1386
1992-93 (सम्भावित)	गेहूं	5455	20000
	चावल	5432	9614
	दालें	3208	2592
	कुल मोटे तिलहन	3574	1260